# NTA UGC NET
# COMMERCE
## SOLVED SAMPLE PAPER
*(Hindi Medium)*

* DETAILED SOLUTIONS
* NEW SYLLABUS
* NEW PATTERN

9001894070

www.vpmclasses.com

UGC NET | वाणिज्य शास्त्र | FMTP

समय–2 घण्टे | ( प्रश्नपत्र II ) | अधिकतम अंक : 200

नोट : इस प्रश्नपत्र में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का हैं। सारे प्रश्न करना अनिवार्य हैं।

**1.** अभिकथन (A) : "विपणन कार्यक्रम" विपणन योजनाओ की क्रियान्विति का मार्गदर्शक, नियामक व नियन्त्रक उपकरण हैं।

तर्क (R) : यह उपकरण बतलाता है कि विपणन लक्ष्यों एवं उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु किन विपणन रीति–नीतियों को कब, किस प्रकार समन्वित रूप से काम लिया जाना चाहिए।

(1) (A) व (R) दोनों सत्य हैं।
(2) (A) व (R) दोनों असत्य हैं।
(3) (A) सत्य है, (R) असत्य हैं।
(4) (A) असत्य हैं, (R) सत्य हैं।

**2.** निम्न दिए गए विकल्पों को सुमेलित कीजिए–

| सूची–I | सूची–II |
|---|---|
| (A) गौणस्त्रोत | (i) वास्तविकता |
| (B) तथ्य | (ii) सरकारी एवं अर्द्धसरकारी प्रकाशन |
| (C) प्राथमिक स्त्रोत | (iii) सर्वेक्षण |
| (D) संगणना अनुसंधान | (iv) सम्पूर्ण समग्र की प्रत्येक इकाई |

| | (A) | (B) | (C) | (D) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | i | ii | iii | iv |
| (2) | iii | iv | i | ii |
| (3) | ii | i | iii | iv |
| (4) | ii | iii | i | iv |

**3.** निम्न को सुमेलित कीजिए–

| सूची–I | सूची–II |
|---|---|
| (A) भौगोलिक आधार | (i) जनसंख्या घनत्व |
| (B) जनांकिकी आधार | (ii) धर्म |
| (C) मनोवैज्ञानिकी आधार | (iii) वस्तु–उपभोग |
| (D) जीवन शैली आधार | (iv) स्व–अवधारणा |

| | (A) | (B) | (C) | (D) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | i | ii | iii | iv |
| (2) | i | iv | ii | iv |
| (3) | iii | ii | iv | i |
| (4) | iv | i | ii | iii |

VPM CLASSES

**4.** VALS अध्ययन सम्बन्धित हैं–

(1) उपभोक्ता व्यवहार
(2) बाजार विभक्तिकरण
(3) विपणन संवर्द्धन
(4) विपणन अनुसंधान

**5.** उत्पाद नीति में निम्नलिखित में से किस कार्य को सम्मिलित नहीं किया जाता हैं?

(i) उत्पाद रेखा के सम्बंध में लिए जाने वाले निर्णयों को आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त सूचनाएँ उपलब्ध कराने में सहायता प्रदान करता।

(ii) सम्पूर्ण संगठन की क्रियाओं को एक अकेले लक्ष्य की ओर निर्देशित करना।

(iii) उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के अनुरूप वस्तुओं के निर्माण व विपणन को संभव बनाना।

(iv) उत्पाद नीति उच्चस्तरीय प्रबन्धकों को निम्न स्तरीय प्रबन्धकों की आवश्यकताओं से अवगत कराती हैं।

(1) केवल (iii)
(2) केवल (iv)
(3) केवल (ii)
(4) (ii) व (iv)

**6.** विक्रय प्रविधि के किस चरण में क्रेता क्रय करने या न करने का निर्णय लेता हैं?

(1) साक्षात्कार
(2) प्रदर्शन
(3) आपत्तियों का निवारण
(4) विक्रय का समापन

**7.** निम्नलिखित में से विज्ञापन विनियोजन की सर्वाधिक लोकप्रिय विधि कौनसी हैं?

(1) क्षमतानुसार विधि
(2) विक्रय प्रतिशत विधि
(3) प्रतिस्पर्द्धी समता विधि
(4) उद्देश्य एवं कार्य विधि

**8.** निम्नलिखित में से कौनसा मानव संसाधन प्रबंध का क्रियात्मक कार्य नहीं हैं?

(1) सेवा नियोजन
(2) अभिप्रेरण
(3) प्रशिक्षण
(4) कृत्य विश्लेषण एवं मूल्यांकन

**9.** _________ किसी विशेष प्रशासनिक सन्दर्भ में, नीति के आचरण की विस्तृत पद्धति का नाम हैं।

VPM CLASSES

(1) व्यवहार (2) कार्यक्रम

(3) नियम (4) क्रियाविधि

**10.** निम्न को सुमेलित कीजिए–

| **सूची–I** | **सूची–II** |
|---|---|
| (A) आन्तरिक स्त्रोत | (i) पदोन्नति |
| (B) बाह्य स्त्रोत | (ii) पूर्व कर्मचारी |
| (C) चयन प्रक्रिया | (iii) शारीरिक परीक्षा |
| (D) रोजगार नीति | (iv) चयन नीति |

| | (A) | (B) | (C) | (D) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | i | ii | iii | iv |
| (2) | ii | i | iv | iii |
| (3) | ii | i | iii | iv |
| (4) | i | ii | iv | iii |

**11.** किस परीक्षण द्वारा व्यक्तियों में किसी विषय या कृत्य को जल्दी और अच्छी तरह से जानने की संभावनाओं का मापन किया जाता हैं?

(1) रूचि परीक्षण (2) प्रकृत्ति परीक्षण

(3) बुद्धि परीक्षण (4) व्यक्तित्व परीक्षण

**12.** अभिकथन (A) : भूमिका निर्वाह विधि प्रशिक्षण की एक आधुनिक विधि हैं जिसका प्रयोग विशेषकर सेविवर्गीय प्रबंध क्षेत्र में किया गया हैं।

तर्क (R) : यह पद्धति किसी समस्या समाधान का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करती हैं। प्रशिक्षार्थी समस्या के तथ्यों का विश्लेषण करके उसका हल प्रस्तुत करता हैं।

(1) A व R दोनों सत्य हैं। (2) A व R दोनों असत्य हैं।

(3) A सत्य हैं, R असत्य हैं। (4) A असत्य हैं, R सत्य हैं।

**13.** निम्नलिखित में से कौनसी "सामूहिक सौदेबाजी" प्रक्रिया की विशेषता नहीं हैं?

(i) यह दो रूप सामूहिक प्रयास की विधि हैं।

(ii) इस प्रक्रिया की सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान पर्याप्त लोचशीलता बनी रहती हैं।

(iii) यह एक विचार–विमर्श की स्वैच्छिक विधि हैं।

(iv) यह एक असतत् प्रक्रिया हैं।

VPM CLASSES

(1) केवल (iii) (2) केवल (iv)

(3) (iii) व (iv) (4) केवल (ii)

**14.** निम्नलिखित में से कौनसी मेक्फारलैण्ड के अनुसार सम्प्रेषण की मुख्य बाधाएँ नहीं हैं?

(1) दोषपूर्ण या विकृत उद्देश्य (2) भाषा अवरोध

(3) संगठनात्मक अवरोध (4) स्थिति व पद सम्बंधी बाधाएँ

**15.** सम्प्रेषण की प्रक्रिया के विभिन्न पदों को सम्बंधित मदों से सुमेलित कीजिए–

| **सूची–I** | **सूची–II** |
|---|---|
| (1) लिपिबद्ध करना | (i) सन्देश प्राप्तकर्ता सन्देश में प्रयुक्त शब्दों, चित्रो, संकेतों आदि का अर्थ लगाकर संवाद को ठीक ढंग से समझने का प्रयास करता हैं। |
| (2) संवाद को प्राप्त करना | (ii) वह (प्राप्तकर्ता) सन्देश के अनुसार कार्य का निष्पादन करता हैं। |
| (3) संवाद की व्याख्या करना | (iii) प्राप्तकर्ता द्वारा संवाद को सुना अथवा पढ़ा जाता हैं। |
| (4) प्रतिक्रिया | (iv) संवाद को किसी भाषा, संकेत, चित्र आंकड़ो, आदि में अनुवाद किया जाता हैं ताकि प्राप्तकर्ता उस संदेश को सही ढंग से समझ सकें। |

| | (1) | (2) | (3) | (4) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | i | ii | iii | iv |
| (2) | iv | iii | i | ii |
| (3) | ii | iii | iv | i |
| (4) | iv | iii | ii | i |

**16.** निम्नलिखित में से कौनसी विधि प्रबंधको द्वारा संघर्षो की जानकारी में अपनाई गई प्रजातान्त्रिक विधि हैं?

(1) सुझाव पेटिकाएँ (2) खुली द्वार नीति

(3) प्रत्यक्ष अवलोकन (4) परिवेदना निवारण पद्धति

**17.** ________ अनुशासन मस्तिष्क की वह अवस्था हैं जो व्यक्तियों अथवा समूहों को बिना किसी

विशिष्ट/सामान्य निर्देशों के ही उचित कार्यो को करने के लिए प्रेरित करता हैं।

(1) धनात्मक (2) ऋणात्मक

(3) प्रगतिशील (4) संशोधनात्मक

**18.** निम्न को सुमेलित कीजिए–

| **सूची–I** | **सूची–II** |
|---|---|
| (A) सेवा नियोजन साक्षात्कार | (i) इनके द्वारा कर्मचारी की इच्छाओं व महत्वाकांक्षाओं का पता चलता हैं। |
| (B) पदोन्नति साक्षात्कार | (ii) यह प्रारंभिक चयन साक्षात्कार हैं जो किसी भी संस्थान को समय–समय पर नए कर्मचारियों की आवश्यकताओं से सम्बन्धित हैं। |
| (C) मूल्यांकन साक्षात्कार | (iii) इनका उद्देश्य कर्मचारियों की विविध समस्याओं की जानकारी एवं उनका निराकरण हैं। |
| (D) समस्या समाधान साक्षात्कार | (iv) इनका उपयोग वेतन निर्धारण, कार्य पर निस्थापन एवं पदोन्नति के लिए किया जा सकता है। |

| | (A) | (B) | (C) | (D) | | (A) | (B) | (C) | (D) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (1) | i | ii | iii | iv | (2) | ii | i | iii | iv |
| (3) | ii | i | iv | iii | (4) | ii | iv | iii | i |

**19.** बारहवें वित्त आयोग की नियुक्ति किस के द्वारा की गई?

(1) भारत के राष्ट्रपति (2) भारत के प्रधानमन्त्री

(3) पार्लियामेन्ट (4) मन्त्रिपरिषद्

**20.** निम्नलिखित पंचवर्षीय योजनाओं और उनमें रखी गई औद्योगिक विकास की दरों के लक्ष्य से सुमेलित कीजिए–

| **सूची–I** | **सूची–II** |
|---|---|
| (1) चतुर्थ | (i) 10.5% |
| (2) पांचवी | (ii) 7% |
| (3) सातवीं | (iii) 8-10% |
| (4) ग्यारवीं | (iv) 7% |

(1) (2) (3) (4)

VPM CLASSES Whatsapp:- 9001894070, Mob.:- 9001297111, www.vpmclasses.com, info@vpmclasses.com

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (1) | i | ii | iii | iv |
| (2) | iv | iii | ii | i |
| (3) | iv | iii | i | ii |
| (4) | ii | i | iv | iii |

**21.** अभिकथन (A) : - प्रत्येक देश की विकास प्रक्रिया में वहाँ की औद्योगिक नीति की एक अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं।

तर्क (R) : - भारत में तो औद्योगिक नीति को देश का "आर्थिक संविधान" का स्थान प्राप्त हैं।

(1) A व R दोनों सत्य हैं। (2) A व R दोनों असत्य हैं।

(3) A सत्य, R असत्य हैं। (4) A असत्य, R सत्य हैं।

**22.** सूची–I से सूची–II की मदों का मेल बिठाएं :

| **सूची–I** | **सूची–II** |
|---|---|
| (1) सिद्धान्त की त्रुटि | (i) रूपए 4000 के एक क्रय को रिकार्ड नहीं किया गया हैं। |
| (2) करने की त्रुटि | (ii) मरम्मत खर्च को परिसम्पत्तियो में जुड़ाव के रूप में मान लिया गया हैं। |
| (3) चूक की त्रुटि | (iii) रू. 563 के एक विक्रय को रू. 653 के रूप में खाते में चढ़ाया गया। |
| (4) प्रतिकर त्रुटि | (iv) ब्रिक्री–बही में रू. 4000 कम लिखे गए तथा वापसी आन्तरिक बही में रूपए 4000 अधिक लिखे गए। |
| | (v) वापसी आन्तरिक बही में रू. 7000 कम लिखे गए तथा बिक्री बही में रू. 7000 अधिक लिखे गए। |

**कोड :**

| | (1) | (2) | (3) | (4) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (ii) | (iii) | (i) | (iv) |
| (2) | (ii) | (iii) | (iv) | (v) |
| (3) | (iv) | (ii) | (i) | (iii) |
| (4) | (ii) | (iii) | (i) | (v) |

**23.** संघीय–बजट में राजकोषीय घाटे का अर्थ है :

(1) बजटीय घाटा तथा आन्तरिक एवं बाह्य ऋण राशि में शुद्ध बढ़त का योग

(2) चालू व्यय तथा चालू आय के बीच अन्तर

(3) मौद्रिकृत घाटा तथा बजटीय घाटे का योग

(4) भारतीय रिजर्व बैंक से केन्द्रीय सरकार द्वारा ली गई ऋण राशि में शुद्ध बढ़त

**24.** निम्नलिखित परिवर्तन किस औद्योगिक नीति से सम्बंधित हैं?

(i) सूक्ष्म क्षेत्र की इकाइयों में विनियोजन की सीमा 1 लाख से बढ़ाकर 2 लाख रूपये की जाए।

(ii) लघु उद्योगों में विनियोजन की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रूपये किया जाए, तथा

(iii) सहायक उद्योगों में विनियोजन की सीमा 15 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रूपये किया जाए।

(1) औद्योगिक नीति, 1948 (2) औद्योगिक नीति, 1956

(3) औद्योगिक नीति, 1980 (4) औद्योगिक नीति, 1985

**25.** भारतीय संदर्भ में निम्न घटनाओं का सही अनुक्रम क्या है?

1. नई आर्थिक नीतियों का लागू किया जाना
2. बाजार–निर्धारित विनिमय मूल्य का लागू किया जाना
3. उदारीकृत विनिमय दर प्रबंधन निकाय का अपनाया जाना
4. अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष के अनुच्छेद VIII के बंधनों को स्वीकार किया जाना।

नीचे दिए गए कूअ का प्रयाग कर सही उत्तर चुनिए

(1) 1, 2, 3, 4 (2) 2, 4, 1, 3

(3) 1, 4, 2, 3 (4) 2, 3, 1, 4

**26.** निवेश आयोग का गठन कब किया गया?

(1) 2001 (2) 1994

(3) 2004 (4) 1996

**27.** लागत एंव प्रबन्धन लेखाकरण के ग्राहक कौन हैं?

(1) प्रबन्धक (2) लेनदार

(3) देनदार (4) उपभोक्ता

**28.** सूची–I की मदों से सूची–II की मदों का मेल बिठाएं :

**सूची–I** **सूची–II**

VPM CLASSES

| | |
|---|---|
| (1) औसत कुल आगत | (i) विचलित लागत ÷ उत्पाद की संख्या |
| (2) औसत स्थिर लागत | (ii) कुल लागत ÷ उत्पाद की संख्या |
| (3) औसत विचलित लागत | (iii) स्थिर लागत ÷ उत्पाद की संख्या |
| (4) सीमान्त (Marginal) लागत | (iv) एक अधिक इकाई के उत्पादन से लागत में वृद्धि |

**कूट :**

| | (1) | (2) | (3) | (4) | | (1) | (2) | (3) | (4) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (1) | iii | i | ii | iv | (2) | i | ii | iii | iv |
| (3) | ii | iii | i | iv | (4) | iii | iv | ii | i |

**29.** सूची–I की मदों से सूची–II की मदों का मेल बिठाएं :

| **सूची–I** | **सूची–II** |
|---|---|
| (1) वैरियेबिल | (i) एक परिवर्ती जिसका माप एक सीमित मध्यान्तर में रहता हैं |
| (2) डिस्क्रीट वैरियेबिल | (ii) पापूलेशन का एक भाग |
| (3) कन्टयुनिअस वैरियेबिल | (iii) एक बुनियादी इकाई जिसका माप इकाई से इकाई बदलता रहता हैं |
| (4) सैम्पल | (iv) एक परिवर्ती जिसका माप केवल इकाइयों में होता हैं |

**कूट :**

| | (1) | (2) | (3) | (4) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | i | ii | iii | iv |
| (2) | iv | iii | ii | i |
| (3) | i | iii | iv | ii |
| (4) | iii | iv | i | ii |

**30.** सूची–I की मदों से सूची–II की मदों का मेल बिठाएं :

| **सूची–I** | **सूची–II** |
|---|---|
| (1) व्यक्तित्व की जांच | (i) निपुणता जांच |
| (2) उपलब्धि जांच | (ii) कार्य–ज्ञान की जांच |
| (3) रूझान की जांच | (iii) सामूहिक वाद–विवाद |
| (4) स्थिति जांच | (iv) प्रोजैक्टिव टैस्ट |

**कूट :**

VPM CLASSES

| | (1) | (2) | (3) | (4) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | iv | ii | i | iii |
| (2) | iv | ii | iii | i |
| (3) | ii | iv | i | iii |
| (4) | i | iii | iv | ii |

**31.** निम्न में से कौन–सा ठीक से मैच नहीं किया गया हैं?

(1) मशीन का लगाना : मशीन लगाने की लागत का खाता

(2) रिलेवेण्ट कास्ट : निर्णय लेने की प्रक्रिया

(3) शेयर का मूल्यांकन : कम्पनी खरीद

(4) ब्रेक ईवन ऐनालेसिस : मार्जिन आफ सेफ्टी

**32.** कैपीटल बजटिंग की प्रक्रिया में निम्नलिखित चरणों पर विचार करें और सही क्रम बताएं।

(i) विनियोग प्रस्तावों की शिनाक्त

(ii) प्राथमिकताओं का स्थापन

(iii) विभिन्न प्रस्तावों का मूल्यांकन

(iv) केपीटल बजट का चुनाव तथा बनाना

(v) कार्यान्वित करना

(vi) कार्यनिष्पादन समीक्षा

**कोड :**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (1) | (i) | (ii) | (iii) | (iv) | (v) | (vi) |
| (2) | (ii) | (i) | (iii) | (iv) | (v) | (vi) |
| (3) | (i) | (iii) | (ii) | (iv) | (v) | (vi) |
| (4) | (i) | (iv) | (iii) | (ii) | (v) | (vi) |

**33.** **कथन (A) :** $X^2$ (काई स्क्वायर) टेस्ट दो इकाइयों में सम्बन्ध को मापता हैं।

**कारण (R) :** जब इकाइयां कमजोर माप पर मापी जाती हैं तो नॉन पैरामैट्रिक टेस्ट जैसे $X^2$ टेस्ट लगाते हैं।

(1) (A) सहीं हैं परन्तु (R) गलत हैं।

(2) (A) गलत हैं परन्तु (R) गलत हैं।

(3) दोनों (A) तथा (R) गलत हैं।

(4) दोनों (A) तथा (R) सहीं हैं।

VPM CLASSES

**34.** व्यवस्थित प्रतिचयन किस क्षेत्र का हैं?

(1) कोटा प्रतिचयन का

(2) अप्रायिकता प्रतिचयन का (नान प्रॉबेब्लिटी सैंपलिंग)

(3) प्रायिकता प्रतिचयन का (प्रॉबेब्लिटी सैंपलिंग)

(4) क्षेत्र प्रतिचयन

**35.** निम्नलिखित में से कौन–सा नाम उसके सामने दिए गए कथन से मेल नहीं खाता?

(1) ASEAN : सारे एशियाई देशों के बीच आर्थिक सहयोग

(2) IMF : प्रतिकूल भुगतान सन्तुलन को दूर करना तथा वित्तीय सहायता प्रदान करना

(3) WTO : व्यापार पर परिमाणात्मक प्रतिबन्ध की अनुमति नहीं देता

(4) SAARC : दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापार को प्रोत्साहित करता हैं।

**36.** 'बढ़ता हुआ उत्पादन नियम' तथा 'स्थिर उत्पादन नियम' निम्नलिखित में से किसके अस्थाई चरण हैं?

(1) परिवर्तनशील अनुपात नियम (2) उत्पत्ति ह्रास नियम

(3) समानुपातिकता का नियम (4) उपयोगिता का ह्रास नियम

**37.** **अभिकथन (A) :** लेखा मानक–5 किसी अवधि के लिए शुद्ध लाभ या हानि, पूर्व अवधि की मदे तथा लेखांकन नीतियों में परिवर्तन से सम्बन्धित हैं।

**तर्क (R) :** यह मानक 1–4–96 से संशोधित रूप में प्रभावशाली है और आदेशात्मक प्रकृति का है।

(1) A व R दोनों सत्य हैं। (2) A व R दोनों असत्य हैं।

(3) A सत्य हैं, R असत्य हैं। (4) A असत्य हैं, R सत्य हैं।

**38.** वित्तीय विवरणों का उद्देश्य है

(1) लाभ–हानि खाता बताना

(2) लेखे रखना

(3) हित रखने वाले पक्षकारों को सूचनाएं देना

(4) प्रतिवेदन तैयार करना

**39.** **I.** स्थायी सम्पत्ति आवर्त अनुपात से दीर्घकालीन शोधन क्षमता का माप होता है।

**II.** यह अनुपात दीर्घकालीन कोषों का स्थायी सम्पत्तियों में विनियोग दर्शाता है।

(1) प्रथम वाक्य सही है, द्वितीय गलत

(2) दोनों वाक्य सही, दूसरा वाक्य प्रथम वाक्य का सत्य कारण बताता है

(3) दोनों वाक्य सही है लेकिन दूसरे वाक्य का तर्क उचित नहीं है

(4) दोनों वाक्य गलत हैं।

**40.** मूल्य अर्जन अनुपात उपयोगी है

(1) लाभदायकता निर्धारण में
(2) शोधन क्षमता निर्धारण में
(3) अंश बाजार मूल्य निर्धारण में
(4) लाभ व पूंजी के अनुपात निर्धारण में

**41.** ऋणपत्र शोधन हेतु ली गई बीमा पॉलिसी का लाभ क्रेडिट किया जाता है:

(1) पूंजीगत संचय खातें में
(2) आयगत संचय खाते में
(3) ऋणपत्र शोधन खाते में
(4) लाभ–हानि खातें में

**42.** पूर्वाधिकार लेनदारो का निर्धारण किया जाएगा

(1) धारा 530(1)
(2) धारा 531 (1) द्वारा
(3) धारा 529 (1)
(4) धारा 326 (ब) द्वारा

**43.** निम्न को सुमेलित कीजिए–

| **सूची–I(कम्प्यूटर पीढ़ी)** | **सूची–II** |
|---|---|
| (1) प्रथम पीढ़ी | (i) Java, C++ |
| (2) द्वितीय पीढ़ी | (ii) C, Pascal, ADA |
| (3) तृतीय पीढ़ी | (iii) FORTRANIV, PL/1, COBAL 68 |
| (4) चतुर्थ पीढ़ी | (iv) BASIC, COBOL |
| (E) पंचम पीढ़ी | (v) ASSEMBLY |

| | (1) | (2) | (3) | (4) | (E) |
|---|---|---|---|---|---|
| (1) | i | ii | iii | iv | v |
| (2) | v | iv | iii | ii | i |
| (3) | v | iv | iii | i | ii |
| (4) | iv | v | ii | iii | i |

**44.** समिति संगठन का लाभ नहीं है

(1) सामूहिक ज्ञान ओर अनुभव
(2) समन्वय की सुविधा
(3) सहभागिता द्वारा अभिप्रेरणा
(4) समझौते की मनोवृत्ति

**45.** **अभिकथन (A) :** निम्न उत्पादकता के कारण अनिवार्यतः कर्मचारियों का मनोबल सदैव ही निम्न होता हैं।

**तर्क (R) :** निम्न उत्पादकता के बावजूद भी कर्मचारियों का मनोबल उच्च होता हैं।

VPM CLASSES

(1) A व R दोनों सत्य हैं। (2) A व R दोनों असत्य हैं।
(3) A सत्य हैं, R असत्य हैं। (4) A असत्य हैं, R सत्य हैं।

**46.** कार्यवृत्त उदाहरण हैं–
(1) लिखित सम्प्रेषण (2) मौखिक सम्प्रेषण
(3) औपचारिक सम्प्रेषण (4) अनौपचारिक सम्प्रेषण

**47.** मास्लों A आवश्यकता क्रमबद्धता के अनुसार निम्न को सुमेलित कीजिए–

| **सूची–I** | **सूची–II** |
|---|---|
| (1) जीवन–निर्वाह आवश्यकता | (i) आर्थिक व मनोवैज्ञानिक |
| (2) सुरक्षात्मक आवश्यकता | (ii) मकान |
| (3) सामाजिक आवश्यकता | (iii) संगठन में स्थिति |
| (4) स्वाभिमान सम्बंधी आवश्यकता | (iv) स्वतन्त्रता प्राप्त करने की इच्छा |
| (E) आत्मानुभूति की आवश्यकता | (v) आत्मविकास |

| | (1) | (2) | (3) | (4) | (E) |
|---|---|---|---|---|---|
| (1) | i | ii | iii | iv | v |
| (2) | i | iii | ii | v | iv |
| (3) | ii | i | iii | iv | v |
| (4) | ii | i | iv | iii | v |

**48.** निम्न कथनों में से कोनसा नवीन औद्योगिक नीति (जुलाई 1991) पर लागू नहीं होता?
(1) यह बहुउद्देश्यीय
(2) यह निजीकरण को प्रोत्साहित करती है
(3) यह बाह्य दबावों से मुक्ति दिलाती है।
(4) यह राष्ट्रीयकरण को हतोत्साहित करती है।

**49.** सूची –I और सूची –II में सुमेल कीजिए तथा नीचे दिए हुए कूटों में से सही उत्तर चुनिए

| **सूची I** | **सूची II** |
|---|---|
| (1) राघवन समिति | 1. लघु उद्योगों का विकास |
| (2) आबिद हुसैन समिति | 2. पूंजी खाते में परिवर्तनशीलता |
| (3) तारापोर समिति | 3. प्रतियोगिता नीति |
| (4) नरसिंम्हन समिति | 4. बैकिंग क्षेत्र में सुधार |

VPM CLASSES

कूट :

| | (1) | (2) | (3) | (4) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | 3 | 1 | 2 | 4 |
| (2) | 3 | 2 | 4 | 1 |
| (3) | 1 | 2 | 3 | 4 |
| (4) | 1 | 3 | 4 | 2 |

**50.** नेशनल सुपर पावर लिमिटेड में सन् 2009 लिए निम्न बजट अनुमान तैयार किए हैं–

विक्रय (इकाइयाँ) – 15000

स्थिरलागत – Rs. 34000

विक्रय मूल्य – Rs. 1,50,000

परिवर्तनीय लागत = Rs. 6 प्रति इकाई तो सुरक्षा सीमा मूल्य होगा–

(1) 65000 रू. (2) 55000 रू.

(3) 85000 रू. (4) 52000 रू.

**51.** विकास परक लाभांश नीति के सन्दर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सत्य हैं?

(1) लाभों का अधिकांश भाग पुनर्विनियोजित हो जाता है।

(2) भुगतान अनुपात 80% तक हो सकता हैं।

(3) यह एक दीर्घकालीन नीति हैं इसमें कम्पनी व अंशधारी दोनों के हितों का महत्व दिया जाता हैं।

(4) कम्पनी लाभांश समानीकरण कोष खाता खोलकर प्रतिवर्ष स्थिर दर से लाभांश दे सकती हैं।

**52.** निम्न को सुमेलित कीजिए–

| **सूची–I** | **सूची–II** |
|---|---|
| (1) MM सिद्धान्त | (i) $V_u = \frac{EBIT(I-T)}{K_e}$ |
| (2) परम्परागत सिद्धान्त | (ii) मध्यवर्ती सिद्धान्त |
| (3) शुद्ध आय सिद्धान्त | (iii) $K_e = \frac{EBIT - I}{V - D}$ |

VPM CLASSES

(4) शुद्ध परिचालन आय सिद्धान्त (iv) $K_O = \frac{EBIT}{V} \times 100$

| | (1) | (2) | (3) | (4) | | (1) | (2) | (3) | (4) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (1) | i | ii | iii | iv | (2) | iv | iii | ii | i |
| (3) | i | ii | iv | iii | (4) | ii | i | iii | iv |

**53.** दो चरों X तथा Y के मध्य प्रतीपगमन गुणांक हैं–

(1) मूल से स्वतंत्र लेकिन माप से नहीं (2) मूल तथा माप दोनों से स्वतंत्र

(3) मूल पर निर्भर लेकिन माप पर नहीं (4) मूल तथा दोनों पर निर्भर

**54.** पैमाने के बढ़ते हुए प्रतिफल की दशा में एक फर्म का सन्तुलन असंगत है, यदि बाजार–

(1) अपूर्ण प्रतिस्पर्धी हैं। (2) अल्पाधिकारी हैं।

(3) एकाधिकारी हैं। (4) पूर्ण प्रतियोगी हैं।

**55.** उत्पादनकर्त्ता की बचत है निम्न में अन्तर के बराबर–

(1) कीमत एवं सीमांत लागत (2) औसत आय एवं सीमांत आय

(3) सीमांत लागत एवं सीमांत (4) औसत आय एवं कुल आय

**56.** APEC हैं–

(1) दक्षिण–पूर्वी एशियाई देशों का समूह

(2) एशिया प्रशान्त क्षेत्र के देशों का समूह

(3) निर्गुट व विकासशील देशों का समूह

(4) हिन्द महासागर तटीय क्षेत्रीय सहयोग संगठन

**57.** वर्तमान में विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों की संख्या कितनी हैं?

(1) 150 (2) 155

(3) 160 (4) 165

**58.** ग्रीन बाक्स नीतियाँ सम्बोधित हैं–

(1) घरेलू सहयोग

(2) नियति सब्सिडी

(3) उत्पादन के उपादानों से सम्बन्धित अनुदान

(4) कृषि से सम्बन्धित अनुदान

**59.** अंतर्देशीय व्यापार एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार भिन्न–भिन्न दशाएं हैं, क्योंकि

(1) मुद्रा भिन्नता का होना (1) मौद्रिक नीतियों में भिन्नता होना

VPMCLASSES

(3) साधनों की गतिशीलता में अंतर (4) उद्देश्य की भिन्नता

उपर्युक्त में से सही उत्तर है

(1) 1 + 2 (2) 1 + 2 + 3

(3) 1 + 4 (4) 1 + 3

**60.** दृश्य व्यापार के लेखा–जोखा को कहते हैं

(1) विदेशी विनिमय (2) तलपट (बैलेंस शीट)

(3) भुगतान संतुलन (4) व्यापार संतुलन

**61.** सन्तुलन के बिन्दु पर विनिमय दर वह हैं जो बनाए रखती हैं–

(1) आयात और निर्यात में सन्तुलन

(2) देश के विदेशी विनिमय रिजर्व में बिना किसी शुद्ध परिवर्तन के एक पूरी अवधि में भुगतान शेष में सन्तुलन

(3) घरेलू अवस्फीति की नीति के साथ भुगतान शेष में सन्तुलन

(4) काम निपटाने के लिए मौद्रिक अधिकारियों के पास सन्तोषप्रद विदेशी विनिमय रिर्जव

**62.** ग्रीन कार्ड सम्बंधित हैं–

(1) कृषि से (2) पर्यावरण संरक्षण

(3) आयात नियंत्रण (4) निर्यात संवर्द्धन

**63.** प्रमुख रूप से चयनात्मक ऋण – नियन्त्रण का उद्देश्य है –

(1) व्यवसायी बैकों को चयनात्मकता के आधार पर ही ऋण दिया जाता है

(2) ऋण लेन वालो में चयनात्मकता के आधार पर ऋणराशि का वितरण किया जाता है।

(3) व्यवसायिक बैंको द्वारा निर्मित ऋण राशि का निगमन है।

(4) व्यवसायिक बैंको द्वारा साख निर्माण का निगमन हो।

**64.** भारत मे निम्नलिखित संस्थाओं की स्थापना का सही कलानुक्रम क्या है–

(1) राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक

(1) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक

(3) भारतीय लधु उद्योग विकास बैंक

(4) भारतीय औद्योगिक वित्त निगम

निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए

(1) 1,3, 2, 4 (2) 1, 2, 4, 3

(3) 3,1, 2,4 (4) 4, 2, 1,3

**65.** भारतीय रिजर्व बैंक बैंकरो के बैंक (केन्द्रीय बैक) के रूप में कार्य करता है इसका अर्थ निम्नलिखित में से कौनसा है।

1. अन्य बैंक RBI के पास अपनी जमा रखते है

2. आवश्यकता के समय RBI वाणिज्यक बैंको को ऋण देता है

3. RBI वाणिज्यक बैंको को मौद्रिक विषयों पर परामर्श देता है।

नीचे दिए गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए

(1) 2 और 3 (2) 1 और 2

(3) 1 ओर 3 (4) 1,2 और 3

**66.** निम्नलिखित में से कौन भारतीय मुद्रा बाजार का सदस्य नहीं है ?

(1) आई. डी. बी. आई (2) आई. सी . आई. सी . आई

(3) एल . आई. सी (4) भारतीय रिर्जव बैक

**67.** श्री शाह, एक भारतीय नागरिक गत वर्ष में प्रथम बार 1-5-2011 को भारत छोड़ आस्ट्रेलिया में नियुक्ति पर गए। वह 11-11-2011 को भारत लौटे एवं 200 दिन रूके। उनके निवास की स्थिति कर निर्धारण वर्ष 2011–12 के लिए होगी–

(1) निवासी (2) साधारण निवासी

(3) असाधारण निवासी (4) अनिवासी

**68.** यदि अवकाश ग्रहण करने के पश्चात् नियोक्ता कर्मचारी को उसके जीवनयापन के लिए पेन्शन स्वीकृत करता हैं जिसका भूगतान मासिक आधार पर किया जाता हैं। यह पेंशन कर योग्य होगी–

(1) केवल सरकारी कर्मचारी के लिए (2) नियोक्ता के लिए

(3) गैर–सरकारी कर्मचारी के लिए (4) सरकारी व गैर सरकारी कर्मचारियों के लिए

**69.** हिन्दू अविभाजित परिवार के सदस्य को परिवार की आय में से प्राप्त राशि किस धारा के अन्तर्गत कर मुक्त होगी?

(1) 10(1) (2) 10(2)

(3) 12(1) (4) 12(2)

**70.** किस वित्त अधिनियम के अन्तर्गत अंशो व म्यूच्युअल फण्ड से लाभांश को कर मुक्त किया

गया?

(1) 2001 (2) 2002

(3) 2003 (4) 2005

**71.** तलाशी के दौरान पकड़ी गई अघोषित आय पर किस दर से अलग आय खण्ड मानते हुए कर लगाया जाएगा?

(1) 30% (2) 25%

(3) 60% (4) 55%

**72.** जमा प्रमाण पत्र योजना कब से लागू की गई?

(1) 2001 (2) 1989

(3) 1981 (4) 2003

**73.** निम्नलिखित में से कौनसा कथन क्रेडिट रेटिंग एजेंसियो की आचार संहिता में सम्मिलित नहीं हैं?

(1) क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी निवेशक के हितों की रक्षा करेगी।

(2) यह अपने दायित्वों को शीघ्र, नैतिक आधार पर एवं व्यावसायिक स्तर पर पूरा करेगी।

(3) क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी क्रेडिट रेटिंग प्रक्रिया को मुख्य स्थान देगी एवं अन्तर्राष्ट्रीय मानदण्डों को पूरा करेगी।

(4) क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी के लिए अपनी Client कम्पनी के सभी परिवर्तनों को रखना आवश्यक नहीं हैं।

**74.** निम्न में से कौनसा मर्चेन्ट बैंक से सम्बन्धित कार्य नहीं हैं?

(1) प्रतिभूतियों का विपणन

(2) औद्योगिक इकाइयों को तकनीकी एवं अन्य सुझाव

(3) परियोजना वित्त की व्यवस्था करना

(4) प्रतिभूतियों की जमानत के लिए कम्पनी की सम्पत्ति गिरवी रखना

**75.** डिरैवेटिव क्या हैं?

(1) डिराइव्ड सम्पत्ति (2) डिराइव्ड वित्तीय सम्पत्ति

(3) नेट सम्पत्तियों से उत्पन्न (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

VPM CLASSES

**76.** मोडेम (Modem) संक्षिप्त रूप है एक प्रक्रिया–

(1) मॉड्यूलेशन और डी मॉड्यूलेशन का (2) फेस मॉड्यूलेशन का

(3) फ्रीक्वेंसी मॉड्यूलेशन का (4) एम्प्लीट्यूड मॉड्यूलेशन

**77.** डेटा को सूचना में परिवर्तित करने के लिए उसे किसी न किसी रूप में प्रोसेस करना आवश्यक है। इसके लिए एक विशिष्ट प्रक्रिया है–

(1) बिक्री करना (2) क्रमबद्ध करना

(3) विज्ञापन करना (4) इनमें से कोई नहीं

**78.** ............ के अभाव में नियंत्रण संभव ही नहीं होता–

(1) संगठन (2) नियोजन

(3) निर्देशन (4) अभिप्रेरण

**79.** उम्मीदवारों को 'परिवीक्षा अवधि' में कितने समय के लिए रहना पड़ता है ?

(1) तीन महीने से एक वर्ष तक (2) तीन महीने से दो वर्ष तक

(3) तीन महीने से तीन वर्ष तक (4) 2 माह

**80.** किसी उपक्रम द्वारा अपेक्षित मानव संसाधनों को आकृष्ट करने, प्राप्त करने एवं बनाए रखने तथा विकसित करने का प्रबन्धकीय कार्य, कहलाता है।

(1) नियोजन (2) संगठन

(3) नियुक्तीकरण (4) नियंत्रण

**81.** ''उच्च अधिकारियों द्वारा नियोजित व्यवहार कहलाता है–''

(1) उच्च संगठन (2) निम्न संगठन

(3) औपचारिक संगठन (4) अनौपचारिक संगठन

**82.** ऋणात्मक अभिप्रेरणा के रूप में शामिल नहीं है–

(1) डांटना–फटकारना (2) पदोन्नति

(3) वेतन रोकना (4) सेवानिवृत्ति

**83.** मैकग्रेगर के किस सिद्धान्त को आधुनिक एवं आशावादी कहा गया है –

(1) X- सिद्धान्त (2) Z- सिद्धान्त

(3) Y- सिद्धान्त (4) उपरोक्त सभी से

**84.** उत्पादकता से सम्बंधित वह विचाधारा जो यह स्पष्ट करती है कि उत्पादकता में वृद्धि केवल कठोर परिश्रम के द्वारा ही संभव होती है, कहलाती है–

(1) भागीदारी विचारधारा (2) पथ–लक्ष्य विचारधारा

(3) कैरेट एवं स्टिक विचारधारा (4) इनमें से कोंई नही

**85.** उपभोक्ता व्यवहार (Consumer Behaviour) को प्रभावित करने वाला क्रेता सम्बंधी घटक में शामिल नहीं है–

(1) आय (2) सामाजिक (3) सांस्कृतिक (4) व्यक्तिगत

**86.** विपणन प्रबन्ध की विचारधारा का जन्म हुआ–

(1) भारत में (2) अमेरिका में

(3) जापान में (4) रूस में

**87.** उपभोक्ता व्यवहार के अध्ययन की व्यावहारिक एवं लोकप्रिय तकनीक है–

(1) प्रलम्बन (2) साक्षात्कार

(3) प्रश्नावली (4) अनुभव एवं ज्ञान

**88.** ग्राहक द्वारा क्रय किए गए माल के सूची मूल्य में छूट प्रदान की जाती है ताकि वह अधिक क्रय करे। यह नीति कहलाती है–

(1) नकद बट्टा (2) गैर–मौसम बट्टा

(3) व्यापारिक बट्टा (4) परिभाष बट्टा

**89.** दो मशीनों का 30,000 रू. में खरीदे जाने का विकल्प है प्रथम मशीन 10,000 रू. 3 वर्ष तक लाभ देगी जबकि दूसरी मशीन 8,000 रू. 5 वर्ष तक देगी। पुनर्भुगातन विधि के अनुसार कौन–सी मशीन चुनी जाएगी :

(1) प्रथम मशीन (2) द्वितीय मशीन

(3) दोनों ही नहीं (4) दोनों खरीदी जाएंगी

**90.** विनियोग प्रस्ताव में स्वीकार्यता होती है जब :

(1) सम्भावित प्रत्याय दर पूंजी लागत से अधिक हो

(2) प्रत्याय दर कम हो

VPM CLASSES

(3) पूंजी लागत महत्वपूर्ण नहीं हैं

(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

**91.** दिया गया है :

प्रारम्भिक देनदार 380 लाख रू.

प्रारम्भिक लेनदार 250 लाख रू.

अन्तिम देनदार 450 लाख रू.

अन्तिम लेनदार 300 लाख रू.

विक्रय 2,000 लाख रू.

वर्ष में दिन 360 मानिए

माल का क्रय 810 लाख रूपए

देनदार संग्रहण विधि होगी :

(1) 70 दिन (2) 76 दिन

(3) 71 दिन (4) 75 दिन

**92.** कार्य पर प्रशिक्षण तभी उपयुक्त है जब :

(1) प्रशिक्षार्थियों की संख्या कम हो

(2) कार्य सरल प्रकृति का हो

(3) कार्य का कृत्रिम वातावरण निर्मित करना सरल नहीं हो

(4) कार्य को तुरन्त सिखाकर कर्मचारी को कार्य पर लगाना हो

**93.** प्रसूति लाभ अधिनियम, 1961 के अनुसार हर महिला श्रमिक को उसकी प्रसूति की तारिख के पहले अनुपस्थिति की वास्तिविक अवधि तथा प्रसूति की तारिख के बाद हफ्तों के लिए प्रसूति लाभ पाने का अधिकार है ?

(1) 10 (2) 16 (3) 12 (4) 18

**94.** निम्न बातों पर विचार कीजिए :

केन्द्रीय बैंक का कार्य होता है।

1. पत्र मुद्रा का निर्गमन करना

2. व्यापारिक बैंको पर नियन्त्रण करना

3. साख का निर्माण करना

VPM CLASSES

4. व्यपारिक बैंको के बिलों की पुनर्कटौती करता है।

उपर्युक में से कौन–सा कथन सत्य है :

(1) 1, 2, 3 तथा 4　　(2) 2, 3 तथा 4

(3) 1, 2 तथा 3　　(4) 1, 2 तथा 4

**95.** निम्नलिखित में से किस बैंक की देश में सर्वाधिक शाखा है ?

(1) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया　　(2) बैंक ऑफ इण्डिया

(3) पंजाब नेशनल बैंक　　(4) बैंक ऑफ बड़ौदा

**96.** भारत में नियतिकों एवं आयाताकों की वितीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से किस बैंक की स्थापना की गई ?

(1) HDFC　　(2) ICICI

(3) IDBI　　(4) EXIM बैंक

**97.** हैबरलर द्वारा प्रस्तुत अवसर लागत सिद्धान्त लागू होता है–

(1) परिवर्ती साधन अनुपातों पर　　(2) स्थिर साधन अनुपातों पर

(3) उत्पत्ति वृद्धि नियम पर　　(4) उत्पत्ति ह्रास नियम पर

**98.** निम्नलिखित को मिलाइए–

| **भाग A** | **भाग B** |
|---|---|
| 1. जब व्यापार स्थानीय स्तर पर होता है। | (i) प्रान्तीय व्यापार |
| 2. जब व्यापार प्रान्तीय स्तर पर ही होता है। | (ii) स्थानीय व्यापार |
| 3. जब व्यापार एक देश की सीमा में होता है। | (iii) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार |
| 4. जब व्यापार बहुत से देशों के बीच होता है। | (iv) राष्ट्रीय व्यापार |

| | 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (iv) | (ii) | (iii) | (i) |
| (2) | (ii) | (i) | (iv) | (iii) |
| (3) | (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (4) | (iii) | (iv) | (i) | (ii) |

VPM CLASSES

**99.** निम्नलिखित को मिलाइए–

| भाग A | भाग B |
|---|---|
| 1. व्यापार सन्तुलन का सम्बन्ध किन मदो से होता है। | (i) दृश्य मदों से |
| 2. भुगतान सन्तुलन का सम्बन्ध किन मदो से होता है। | (ii) दृश्य तथा अदृश्य दोनों प्रकार की मदों से |
| 3. भुगतान सन्तुलन तथा व्यापार सन्तुलन के बीच | (iii) अन्तर होता है |
| 4. व्यापार सन्तुलन भुगतान सन्तुलन का | (iv) एक भाग होता है। |

| | 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|---|
| (1) | i | ii | iii | iv |
| (2) | ii | i | iv | iii |
| (3) | ii | i | iii | iv |
| (4) | i | ii | iv | iii |

**100.** बहुपक्षीय विनियोग गारण्टी अभिकरण (MIGA) किस से जुड़ा है ?

(1) विश्व बैंक समूह (2) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

(3) अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम (4) अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ

VPM CLASSES

# ANSWER KEY

# UGC NET - COMMERCE

# MOCK TEST PAPER

## PAPER-II

| Question | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Answer | 1 | 3 | 1 | 2 | 2 | 4 | 2 | 2 | 4 | 1 | 2 | 3 | 2 | 4 | 2 | 2 | 1 | 3 | 1 | 3 |
| Question | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 |
| Answer | 1 | 1 | 2 | 3 | 1 | 1 | 1 | 3 | 4 | 1 | 1 | 1 | 4 | 3 | 1 | 1 | 1 | 3 | 4 | 3 |
| Question | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 |
| Answer | 3 | 1 | 2 | 4 | 4 | 1 | 3 | 3 | 1 | 1 | 1 | 3 | 1 | 4 | 1 | 2 | 2 | 1 | 2 | 4 |
| Question | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 |
| Answer | 2 | 4 | 2 | 4 | 2 | 4 | 4 | 4 | 2 | 3 | 3 | 2 | 4 | 4 | 2 | 1 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| Question | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 |
| Answer | 3 | 2 | 3 | 2 | 1 | 2 | 2 | 4 | 1 | 1 | 4 | 4 | 3 | 4 | 1 | 4 | 1 | 2 | 1 | 1 |

# HINTS AND SOLUTIONS

## PAPER-II

**1.(1)** विपणन कार्यक्रम उन रीति–नीतियों का एक समूह हैं जो संस्था के लक्ष्यों तक संस्था के संसाधनों का हर संभव प्रभावी प्रयोग करते हुए पहुँचने का प्रयास करता हैं। अतः यह उन विपणन प्रयासों के स्तर, आबंटन एवं सम्मिश्रण संबंधी नीति निर्णयों का एक समूह है।

**2.(3)** विकल्प (3) सूची–I व सूची–II में दी गई मदों को सुमेलित करता है।

(i) गौण (द्वितीयक स्रोत) – सरकारी एवं अर्द्धसरकारी प्रकाशन

(ii) तथ्य – वास्तविकता

(iii) प्राथमिक स्त्रोत – सर्वेक्षण विधि प्राथमिक डाटा ग्रहण करने की विधि है।

(iv) संगणना अनुसंधान – यह अनुसंधान विषय से सम्बन्धित सम्पूर्ण समग्र की प्रत्येक इकाई की जाँच की जाती हैं तो ऐसी जाँच को "संगणना अनुसंधान" कहते हैं।

**3.(1)** विकल्प (1) दिए गए सूची–I व सूची–II की मदों को सुमेलित करती हैं।

(i) भौगोलिक आधार – इसमें जनसंख्या का फैलाव घनत्व, जलवायु क्षेत्र आदि तत्वों का समावेश होता हैं।

(ii) जनांकिकी आधार – इसमें आय, आयु, लिंग, पेशा, धर्म, परिवार आकार व जीवन चक्र आदि आते हैं।

(iii) मनोवैज्ञानिकी आधार – जीवन शैली, वस्तु उपभोग इत्यादि।

(iv) जीवनशैली आधार – इससे स्वअवधारणा की अभिव्यक्ति होती हैं और स्वअवधारणा ज्ञान, बोध एवं स्व–मूल्यांकन को प्रकट करती हैं।

**4.(2)** VALS (Value & Life Styles) अध्ययन जीवनशैली मापदण्ड अध्ययन हैं जो सोशियल रिसर्च इन्क, शिकागों द्वारा किए गए हैं। वाल्स-**I** में अमरीकी आबादी को चार भागों में विभक्त किया गया था। द्वितीय अध्ययन वाल्स-**II** में अमरीकी आबादी को तीन समूहों में विभक्त किया गया था।

**5.(2)** उत्पाद नीति दीर्घकालीन रीति–नीति का कथन होती हैं जो कि अधिकतम लाभार्जन हेतु कम्पनी के साधनों की व्याख्या करती हैं। यह निम्नस्तरीय प्रबन्धकों एंव विपणि विश्लेषकों, अनुसंधान कर्मचारियों और औद्योगिक इन्जीनियरों को इस तथ्य से अवगत कराती हैं कि उच्च प्रबंध क्या चाहता हैं?

**6.(4)** विक्रय का समापन विक्रय प्रविधि का छठा चरण हैं। इस चरण में क्रेता क्रय करने या न करने का निर्णय लेता हैं। विक्रयकर्त्ताओं की सारी मेहनत और योग्यताओं के प्रदर्शन की सफलता इस चरण पर निर्भर करती है। सामान्यतः निम्न दबाव का समापन उच्च दबाव विक्रय की तुलना में आसान होता हैं।

**7.(2)** विक्रय प्रतिशत विधि विज्ञापन विनियोजन की सर्वाधित लोकप्रिय विधि हैं। इस विधि में विज्ञापन पर खर्च होने वाली कुल राशि का निर्धारण या तो कुल सम्भावित बिक्री पर एक निश्चित प्रतिशत अथवा प्रति उत्पाद इकाई के आधार पर किया जाता है।

**8.(2)** मानव संसाधन विभाग/प्रबंध के कुछ मूल क्रियात्मक कार्य हैं जो प्रत्येक संगठन में पाए जाते हैं। इन कार्यो की गणना में कर्मचारी नियुक्ति, प्रशिक्षण, स्थानान्तरण, पदोन्नति, मजदूरी एवं वेतन प्रशासन, कार्य मूल्यांकन, योग्यता मूल्यांकन तथा स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं मनोरंजन जैसे कार्य आते है।

**9.(4)** क्रियाविधि किसी विशेष प्रशासनिक सन्दर्भ में, नीति के आचरण की विस्तृत पद्धति का नाम

VPM CLASSES

हैं। क्रियाविधि कार्य करने का एक तरीका होता हैं। यह तरीका एक मान्य अथवा प्रचलित तरीका होता हैं। जिसका हम नैतिक रूप में, समान प्रकार की स्थितियों में आचरण करते हैं।

**10.(1)** विकल्प (1) दिए गए सूची–**I** व सूची–**II** की मदों को सुमेलित करता हैं।

**11.(2)** प्रवृत्तियाँ व्यक्तियों में किसी विषय या कृत्य को जल्दी और अच्छी तरह से जानने की संभावनाएँ होती हैं। इन संभावनाओं के मापन के लिए जिन परिक्षणों का उपयोग किया जाता हैं, उन्हें प्रकृत्ति परीक्षण कहते हैं।

**12.(3)** भूमिका निर्वाह विधि के अन्तर्गत प्रशिक्षार्थी को अपने पद की भूमिका का निर्वाह केवल अभिनय मात्र से करना होता हैं। किन्तु इसके द्वारा प्रशिक्षार्थी कार्य से भली भाँति परिचित हो जाता हैं। भूमिका निर्वाह करते समय प्रशिक्षार्थी को अपने सैद्धन्तिक ज्ञान के उपयोग का पर्याप्त अवसर मिलता हैं। जिससे कार्य के व्यावहारिक पक्ष का प्रशिक्षण प्राप्त होता हैं।

**13.(2)** "सामूहिक सौदेबाजी" एक सतत् प्रक्रिया हैं। यह विचार–विमर्श से आरंभ होकर समझौते पर समाप्त होने तक की प्रक्रिया मात्र नहीं हैं। समझौता तो वास्तव में शुरूआत हैं उसे क्रियान्वित करने का तथा आगामी विचार–विमर्श का मार्ग प्रशस्त करने का। यह एक गत्यात्मक प्रक्रिया हैं।

**14.(4)** मैक्फारलैण्ड के अनुसार सम्प्रेषण की मुख्य बाधाएँ निम्न हैं–

(i) दोषपूर्ण या विकृत उद्देश्य (ii) संगठनात्मक अवरोध

(iii) भाषा अवरोध (iv) मानवीय सम्बंध समस्या

**16.(2)** इस विधि के अन्तर्गत अधिकारियों के द्वारा कर्मचारियों के लिए अपनी समस्याओं, शिकायतों, परिवेदनाओं आदि को प्रस्तुत करने के लिए सदैव खुले रहते है। वास्तव में इस नीति के माध्यम से संघर्षो की सही स्थिति ज्ञात हो सकती हैं लेकिन अधीनस्थों को उच्च अधिकारियों तक पहुँचने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता हैं।

**17.(1)** धनात्मक अनुशासन को स्वप्रभावी/रचनात्मक/सहयोगी अनुशासन के नाम से भी जाना जाता हैं। इस अनुशासन में कर्मचारी संगठन के समान्य हित के लिए अपनी क्रियाओं को व्यवस्थित करते हैं तथा सौंपे गए कार्य के निष्पादन में व्यक्तिगत हित के स्थान पर सामूहिक हित सर्वोपरि मानते हैं।

**18.(3)** विकल्प (3) दिए गए सूची–**I** व सूची–**II** की मदों को सुमेलित करता हैं।

**19.(1)** बारहवें वित्त आयोग की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की गई।

**20.(3)** विकल्प (3) भारत की विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में रखे गए औद्योगिक विकास के लक्ष्यों से उन्हें सुमेलित करता हैं।

**21.(1)** किसी भी देश के औद्योगिक विकास का आधार उस देश की औद्योगिक नीति ही हैं। वस्तुतः एक सुदृढ़ व प्रभावशाली औद्योगिक नीति के द्वारा ही अतिकतम उत्पादन, न्यायपूर्ण वितरण, रोजगार के अधिक अवसर एवं सन्तुलित आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त कर समृद्ध समाज का सपना साकार किया जा सकता है। अल्पविकसित देशों और विशेष रूप से भारत जैसे देश आर्थिक विकास में सरकार का सक्रिय योगदान होता हैं, में तो औद्योगिक नीति को विकास के इंजन के रूप में देखी जाती हैं।

**22.(1)** विकल्प (1), Trialbalance बनाने में होने वाली विभिन्न त्रुटियों को सम्बंधित विवरणों से सुमेलित करता है।

**23.(2)** राजकोषीय घाटा राजस्व प्राप्तियों, अनुदानों तथा गैर ऋण पूँजीगत प्राप्तियों के ऊपर सरकार में कुल व्यय का (राजस्व व पूँजीगत व्यय, जिसमें उधार दिए गए शुद्ध ऋणों की राशि भी सम्मिलित होती हैं) अतिरेक हैं।

**24.(3)** लद्यु उद्योगों के विकास हेतु उपरोक्त परिवर्तन औद्योगिक नीति, 1980 से सम्बंधित हैं। इसके अन्तर्गत पिछड़े औद्योगिक क्षेत्रो, लद्यु एवं इसके सहायक उद्योगों के विकास पर इस प्रकार से ध्यान दिया जाएगा कि कुछ वर्षो में वृहत एवं लद्यु उद्योगों के कृत्रिम विभाजन को समाप्त किया जा सकेगा।

**25.(1)** विकल्प (1) दी गई घटनाओं के घटित होने का सही अनुक्रम व्यक्त करता है

1. नई आर्थिक नीतियों का लागू किया जाना
2. उदारीकृत विनिमय दर प्रबंधन निकाय का अपनाया जाना
3. बाजार–निर्धारित विनिमय मूल्य का लागू किया जाना
4. अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष के अनुच्छेद VIII के बंधनों को स्वीकार किया जाना।

**26.(1)** देश में स्वदेशी एवं विशेषकर विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नए निवेश आयोग का गठन दिसम्बर, 2004 में केन्द्र सरकार ने किया।

**28.(3)** विकल्प (3) सूची–I में दी गई विभिन्न लागतों को सूची–II में दिए गए सम्बंधित गणना सूत्रों से सुमेलित करता हैं।

**29.(4)** विकल्प (4) दिए गए सूची–I व सूची–II की मदों को सुमेलित करता है।

**30.(1)** विकल्प (1) दिए गए सूची–I में दिए गए विभिन्न परिक्षणों और सूची–II में दिए गए उनके प्रयोजनों को सुमेलित करता हैं

**31.(1)** मशीन का लगाना की प्रविष्टि 'मशीन खाते' में ही की जाएगी क्योंकि मशीन को लगाने की लागत भी मशीन की कीमत में ही सम्मिलित हैं। इसके लिए अलग से 'मशीन लगाने की लागत का खाता' नहीं खोला जाएगा। यह एक Implicit Cost ही हैं। इसकी प्रविष्टि होगी–

| Journal | | (Rs.) |
|---|---|---|
| Machine A/c Dr. | | |
| To machine installation Expenses | | |

**Machine A/c**

| Dr. | Rs. | | Rs. Cr. |
|---|---|---|---|
| To machine installation Ex. Dr. | | | |

**32.(1)** विकल्प (1) कैपीटल बजटिंग की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के सही अनुक्रम को प्रदर्शित करता हैं। जो इस प्रकार हैं–

(i) विनियोग प्रस्तावों की शिनाक्त

(ii) प्राथमिकताओं का स्थापन

(iii) विभिन्न प्रस्तावों का मूल्यांकन

(iv) केपीटल बजट का चुनाव तथा बनाना

(v) कार्यान्वित करना

(vi) कार्यनिष्पादन समीक्षा

VPM CLASSES

**33.(4)** काई वर्ग ($X^2$) जो कि वास्तविक एवं प्रत्याशित आवृत्तियों के अन्तर का एक माप है, का उद्देश्य वास्तव में दो गुणों की स्वतन्त्रता की जाँच करना हैं। यह एक गैर प्राचल परिक्षण हैं यर्थात् यह टैस्ट आवृत्तियों पर आधारित हैं जबकि Z तथा t-टैस्ट प्राचलों (जैसे–माध्य, प्रमाप विचलन आदि) पर आधारित हैं।

**34.(3)** व्यवस्थित प्रतिचयन एक प्रायिकता प्रतियन विधि हैं जिसमें प्रतिदर्श छाटने के लिए सर्वप्रथम समग्र की समस्त इकाइयों को किसी एक निश्चित आधार पर संख्यात्मक, वर्णात्मक, भौगोलिक आदि पर क्रमबद्ध कर लिया जाता हैं। इन क्रमबद्ध मदों को निश्चित वर्ग विस्तार में विभक्त कर लिया जाता हैं। इस प्रकार वर्ग विस्तार निश्चित करने के पश्चात् समग्र को विभिन्न वर्गो में विभक्त कर लिया जाता है। तत्पश्चात् प्रथम वर्ग में से दैव आधार पर किसी भी एक इकाई का चयन कर, अगली इकाइयों के चयन के लिए प्रथम चुनी गई इकाई में वर्ग–विस्तार जोड़कर वांछित इकाइयाँ चुन ली जाती हैं।

**35.(1)** आसियन दक्षिण–पूर्वी एशियाई राष्ट्रो का संघ हैं। यह मलेशिया, इण्डोनेशिया, फिलीपीन्स, सिंगापुर व थाइलैण्ड का एक प्रादेशिक संगठन हैं। वर्तमान में कुल सदस्य देशों की संख्या 10 हैं।

**36.(1)** परिवर्तनशील अनुपात के नियम के अनुसार अपरिवर्तनशील साधनों की मात्रा को स्थिर रखते हुए जब परिवर्तनशील साधनों की और अधिक इकाइयों को लगातार प्रयोग में लाया जाता हैं तब एक ऐसा बिन्दु आता हैं जिसके उपरान्त पहले सीमान्त उत्पादन, फिर औसत उत्पादन तथा अन्त में कुल उत्पादन घट जाएगा। इस नियम की अवस्थाएँ लागत के सन्दर्भ में इस प्रकार व्यक्त की जा सकती हैं–

(1) बढ़ते प्रतिफल का नियम (घटती लागत नियम)

(2) स्थिर प्रतिफल नियम (स्थिर लागत नियम)

(3) घटते प्रतिफल का नियम (बढ़ती लागत का नियम)

**37.(1)** लेखा मानक–5, 1-4-96 से संशोधित रूप में प्रभावशाली हैं और आदेशात्मक प्रकृति का हैं। इसके अनुसार किसी अवधि के लिए शुद्ध लाभ या हानि के दो अंग होते हैं जिनकों लाभ एवं हानि विवरण के मुख पर दर्शाना चाहिए : (1) सामान्य क्रियाओं से लाभ/हानि, (2) असाधारण मदें/असाधारण मदों को लाभ–हानि विवरण में अवधि के शुद्ध लाभ/शुद्ध हानि

के हिस्से के रूप में दर्शाना चाहिए।

**38.(3)** वित्तीय विवरणों का मुख्य उद्देश्य विनियोजकों, लेनदारों, वित्तीय संस्थाओं, ऋणदाताओं, स्वामियों सहित हित रखने वाले समस्त पक्षकारों को उपयोगी सूचनाएँ प्रदान करना है ताकि वे आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करके भावी स्थिति के लिए पूर्वानुमान लगा सकें, नीति निर्धारित कर सकें एवं संसाधनों का प्रभावकारी उपयोग कर सकें।

**39.(4)** स्थायी सम्पत्ति आवर्त अनुपात स्थायी सम्पत्तियों एंव विक्रय या विक्रय लागत के बीच सम्बन्ध प्रकट करता हैं।

सूत्र – Fixed Assets turnover ratio= $\frac{\text{Sales / Cost of goods Sold}}{\text{Fixed Assets}}$

स्थायी सम्पत्तियों में से ह्रास घटाया जाता है। इससे स्थायी सम्पत्तियों के सन्दर्भ में विक्रय की पर्याप्तता की जानकारी होती हैं।

**40.(3)** मूल्य अर्जन अनुपात अंशो के बाजार मूल्य एवं प्रति अंश अर्जन का सम्बंध दर्शाता हैं।

$$\text{P.E.ratio} = \frac{\text{Market Price per share}}{\text{Earning per share}}$$

यह अनुपात प्रकट करता है कि समता अंश का मूल्य उस पर अर्जित लाभों का कितना गुना हैं। यह अनुपात अंश मूल्य ज्ञात करने का उपयुक्त साधन हैं।

**41.(3)** ऋणपत्र शोघन हेतु ली गई बीमा पॉलिसी का लाभ ऋणपत्र शोधन खाते में क्रेडिट किया जाता है।

**42.(1)** कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 530(1) के अनुसार समापन की स्थिति में निम्नांकित लेनदार पूर्वाधिकार लेनदार माने जाते हैं –

(i) सरकार एवं स्थानीय सत्ता को देयकर, लगान आदि।

(ii) कर्मचारियों को देय मजदूरी या वेतन।

(iii) कम्पनी द्वारा नियोक्ता की हैसियत से राज्य बीमा अधिनियम, 1948 या अन्य कानून के अन्तर्गत देय राशि।

**43.(2)** विकल्प (2) कम्प्यूटर की विभिन्न पीढ़ीयों में प्रयुक्त प्रोग्रामिंग भाषाओं को सुमेलित करता हैं।

VPM CLASSES

**44.(4)** समिति संरचना की मुख्य विशेषता सामूहिक विचार–विमर्श व सामूहिक निर्णय लेना हैं। संगठनात्मक प्रबंध की दृष्टि से समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती हैं। समझौते की मनोवृत्ति समिति संरचना का एक दोष हैं। कार्य में धीमापन और विरोधी दृष्टिकोणों के बढ़ने के कारण कुछ मामलों में समिति के सदस्य न्यूनतम प्रतिरोध तक पहुँचती हैं वह संयुक्त चिंतन व सामूहिक फैसले पर आधारित न होकर विरोधी गुटो के बीच समझौतों से प्रेरित होती है।

**45.(4)** संगठनों में कई बार यह स्थिति भी देखने को मिलती हैं कि निम्न उत्पादकता के बावजूद भी कर्मचारियों का मनोबल उच्च होता हैं। कर्मचारियों का मनोबल उच्च होते हुए भी यदि उन्हें नवीन तकनीकों का ज्ञान नहीं हैं, वे संस्था के उद्देश्यों के प्रति निष्ठावान नहीं है, पुरानी मशीनों का उपयोग करते है। प्रशिक्षण का अभाव हैं एवं प्रबंधकों का उपव्ययों पर नियंत्रण नहीं हैं तो कर्मचारियों की उत्पादकता निम्न ही देखने को मिलती हैं।

**46.(1)** कार्यवृत किसी कम्पनी या संस्था में हुई प्रत्येक सभा तथा उसमें किए गए कार्य और लिए गए निर्णयों का एक लिखित अभिलेख होता हैं। बहुत सी कम्पनियाँ इस हेतु सूक्ष्म–पुस्तिकाओं का प्रयोग करती हैं।

**47.(3)** विकल्प (3) मास्लों की आवश्यकता में क्रमबद्धता के अनुसार विभिन्न आवश्यकताओं को सम्बोधित मदों से सुमेलित करता हैं।

**48.(3)** भारत में नवीन औद्योगिक नीति से किए गए आर्थिक सुधारों का उद्देश्य था – उत्पादकता सुधार करना, आधुनिक टेक्नोलॉजी को आत्मसात करना तथा क्षमता का पूर्ण प्रयोग करना। इस नीति के अंतर्गत भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व अर्थव्यवस्था तथा विश्व बाजार से अच्छी तरह जोडने तथा उसे प्रतियोगी बनाने का प्रयास किया गया है। इसके लिए राष्ट्रीयकरण को (बंद अर्थव्यवस्था) को हतोत्साहित करते हुए निजीकरण, उदारीकरा और भूमण्डलीकरण को प्रोत्साहन दिया गया।

**49.(1)** विकल्प (1) सूची I व सूची II में दी गई मदों को सुमेलित करता है

**50.(1)** सर्वप्रथम P/V अनुपात $= \frac{\text{विक्रय मूल्य प्रतिइकाई} - \text{परिवर्तनीय लागत प्रति इकाई}}{\text{विक्रय मूल्य प्रति इकाई}} \times 100$

विक्रय मूल्य प्रति इकाई $= \frac{150000}{15000} = 10$ रू.

P/V अनुपात = $\frac{10-6}{10}\times100 = 40\%$

$\therefore$ सम विच्छेद बिन्दु (B.E.P.) = $\frac{\text{स्थिर लागत}}{\text{P/V अनुपात}} = \frac{34000}{40}\times100$

BEP = 85000 रू.

$\because$ सुरक्षा सीमा मूल्य = कुल विक्रय – B.E.P. विक्रय

150000 – 85000 = 65000 रू.

**51.(1)** विकास परक लाभांश नीति में लाभों का अधिकांश भाग व्यवसाय में ही पुनर्विनियोजित किया जाता हैं। इस नीति का उद्देश्य कम्पनी की वित्तीय सुदृढ़ता हैं। दीर्घकाल में यह नीति लाभप्रद हो सकती हैं। इसमें भुगतान अनुपात कम होता हैं।

**52.(3)** विकल्प (3) दी गई सूची–I व सूची–II की मदों को सुमेलित करता हैं।

**53.(1)** प्रतीपगमन गुणांक वह मान दर्शाता हैं जो एक श्रेणी के चर–मूल्यों में इकाई परिवर्तन होने से दूसरी श्रेणी के चर–मूल्यों में औसतन परिवर्तन होगा। यह प्रतीपगमन रेखाओं के ढाल का बीचगणितीय माप हैं।

**54.(4)** पैमाने के बढ़ते हुए प्रतिफल की दशा में एक फर्म का सन्तुलन असंगत है यदि बाजार पूर्ण प्रतियोगी हैं क्योंकि पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म जो कीमत बाजार में निर्धारित होती हैं, उसी को स्थिर मानकर उसके अनुसार अपनी उत्पादन मात्रा निश्चित करती हैं ताकि उसके लाभ अधिकतम हो।

**55.(1)** कीमत एवं सीमान्त लागत का अन्तर ही उत्पादनकर्ता की बचत के तुल्य होता हैं।

**56.(2)** APEC- (एशिया प्रशान्त आर्थिक सहयोग), एशिया प्रशान्त क्षेत्र के देशों की अर्थव्यवस्थाओं के स्वतन्त्र विकास के लिए 1989 में स्थापित किया गया। इस संगठन का उद्देश्य क्षेत्र में व्यापार एवं निवेश के उदारीकरण द्वारा स्वतन्त्र एवं खुले व्यापार का विकास तथा इसके सदस्य देशों में आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग प्रवर्त करना हैं।

**57.(2)** वर्तमान समय में WTO के सदस्य देशों की संख्या 155 हैं। विश्व व्यापार संगठन की स्थापना सदस्य देशों की संसदों द्वारा अनुमोदित एक अन्तर्राष्ट्रीय संधि के आधार पर की गई हैं।

**58.(1)** WTO की उन घरेलू सहयोग/समर्थन के उपायों में, जिनके द्वारा व्यापार पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता हैं, ग्रीन बाक्स की नीतियाँ कहते हैं। यह कटौती लागू नहीं होती। इन नीतियों में सामान्य सरकारी सेवाएँ सम्मिलित हैं।

**59.(2)** विकल्प (2) अन्तर्देशीय व्यापार एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में भिन्न–भिन्न दशाओं को बताता हैं। दोनों में ही उद्देश्य की समानता होती हैं जो मुख्यता लाभ कमाना ही हैं।

**60.(4)** भुगतान सन्तुलन में अदृश्य व दृश्य दोनों प्रकार की मदें सम्मिलित हैं। दृश्य व्यापार के लेखा–जोखा को व्यापार सन्तुलन कहा जाता हैं। इसके अन्तर्गत चालू खाते में वे सब लेन–देन आते हैं जो वस्तुओं के आयात–निर्यात से सम्बंधित हैं। भुगतान सन्तुलन की तुलना में व्यापार सन्तुलन का क्षेत्र सीमित होता हैं। व्यापार सन्तुलन, भुगतान सन्तुलन का ही एक अंग हैं।

**61.(2)** सन्तुलन के बिन्दु पर विनिमय दर वह हैं जो देश के विदेशी विनिमय रिजर्व में बिना किसी शुद्ध परिवर्तन के एक पूरी अवधि में भुगतान शेष में सन्तुलन बनाए रखे।

**62.(4)** भारत सरकार ने निर्यात तेजी से बढ़ाने के उद्देश्य से शत प्रतिशत निर्यात करने वाली संस्थाओं को "ग्रीन कार्ड" जारी किया था जो कि उत्पादन से विपणन तक सभी मामलों में "ग्रीन कार्ड धारक संस्था" को उच्च प्राथमिकता प्रदान करता हैं।

**63.(2)** प्रमुखतयाः चयनात्मक ऋण नियन्त्रण का उद्देश्य है कि ऋण लेने वालों में चयनात्मकता के आधार पर ऋणराशि का वितरण किया जाए।

**64.(4)** दी गई संस्थाओं की स्थापना के कालानुक्रम के अनुसार सही क्रय हैं–

(i) IFCI - 1948

(ii) IDBI - 1976

(iii) NABARD - 1982

(iv) SIDBI - 1996

**65.(2)** केवल विकल्प (1) व (2) ही RBI की बैंकरों के बैंक (केन्द्रीय बैंक) के रूप से कार्य से सम्बंधित हैं। शीर्ष बैंक होने के नाते RBI बैंको में बैंक व अन्तिम ऋणदाता के रूप में कार्य करता हैं। विधान के अनुसार अनुसूचित व्यापारिक बैंक को अपनी कुल जमाओं का न्यूनतम 3% से अधिकतम 15% RBI के पास नकद (CRR) जमा कराना होता हैं।

VPM CLASSES

**66.(4)** RBI के अतिरिक्त अन्य सभी संस्थाएँ भारतीय मुद्रा बाजार के अंग हैं।

**67.(4)** श्री शाह का गत वर्ष में भारत में ठहराव 173 दिनों (अप्रैल 30दिन + मई 1 दिन + नवम्बर 20 दिन + दिसम्बर 31 दिन+जनवरी 31 दिन+फरवरी 29 दिन + मार्च 31 दिन) का रहा। चूंकि श्री शाह में नौकरी के उद्देश्य से भारत पहली बार छोड़ा हैं इसीलिए निवासी होने के लिए भारत में ठहराव कम–से–कम 182 दिनों का होना चाहिए। उनका ठहराव 173 दिनों का होने के कारण वह निवासी की मूल शर्त की पूर्ति नहीं करते हैं अतः वह भारत में अनिवासी हैं।

**68.(4)** अवकाश ग्रहण करने के पश्चात् नियोक्ता कर्मचारी को उसके जीवनयापन के लिए पेन्शन स्वीकृत करता हैं। पेंन्शन का भुगतान सामान्यतः मासिक आधार पर किया जाता हैं। मासिक पेन्शन की राशि सभी कर्मचारियों के लिए कर–योग्य होती हैं चाहे वह सरकारी हो या गैर–सरकारी।

**69.(2)** हिन्दू अविभाजित परिवार के सदस्य को यदि परिवार की आय में से कोई राशि प्राप्त होती हैं अथवा परिवार की अविभाज्य सम्पत्ति से होने वाली आय में से कोई राशि प्राप्त होती है तो वह धारा 10(2) के अन्तर्गत कर मुक्त होगी। इसके लिए यह महत्वपूर्ण नहीं है कि परिवार की आय पर कर लगा है अथवा नहीं।

**70.(3)** वित्त अधिनियम, 2003 के अनुसार 1-4-2003 के पश्चात् किसी भारतीय कम्पनी द्वारा घोषित अथवा भुगतान किया गया लाभांश कर मुक्त होगा। अंशो पर लाभांश की तरह ही UTI एवं धारा 10(23D) में वर्णित म्यूच्युअल फण्ड से अंशों पर लाभांश कर–मुक्त होगा।

**71.(3)** वित्त अधिनियम, 1995 से यह प्रावधान किया गया हैं कि तलाशी के दौरान पकड़ी गई अघोषित आय पर 60% की दर से अलग आय खण्ड मानते हुए कर लगाया जाएगा। इस सम्बन्ध में यह भी प्रावधान किया गया हैं कि इस प्रकार से निर्धारित कर पर अधिभार लगाया जाएगा जैसा कि उस सम्बंधित गत वर्ष जिसमें ऐसी आय पकड़ी गयी हैं, लागू हो।

**72.(2)** जमा प्रमाणपत्र योजना जून, 1989 से प्रारंभ की गई। यह एक वाहक पत्र होता हैं और एक व्यक्ति, कम्पनी एवं संस्थाओं के द्वारा जमा की गई, राशि के विरूद्ध जारी किया जाता हैं। जमा प्रमाण पत्र बैंकों द्वारा ही निर्गमित किए जा सकते हैं।

**73.(4)** सेबी (क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी) अधिनियम, 1999 के अधिनियम 13 के अनुसार जो एजेन्सियाँ

VPM CLASSES

क्रेडिट रेटिंग में लगी हैं, उन्हें आचार संहिता का पालन करना आवश्यक हैं। इसके अनुसार क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी अपनी Client कम्पनी के सभी परिवर्तन को रखेगी एवं ऐसी व्यवस्था विकसित करेगी कि समय पर शुद्ध रेटिंग की जा सकें तथा भविष्य में ऐसे घटकों की देखरेख करेगी जो कि निर्गमनकर्त्ता की साख को प्रभावित करते हैं।

**74.(4)** मर्चेन्ट बैंक कई प्रकार के कार्य करते हैं किन्तु सबसे महत्वपूर्ण कार्य सार्वजनिक निर्गमनों का प्रबंधन हैं। विकल्प (4) के अतिरिक्त अन्य सभी कार्य मर्चेन्ट बैंको द्वारा किए जाते हैं।

**75.(2)** डिरैवेटिव डिराइव्ड वित्तीय सम्पत्ति है। ये प्रतिभूति मानी जाती हैं। इसकी न तो वास्तविक सुपुर्दगी होती हैं, नहीं यह सम्पत्ति की गतिशीलता में उपयोगी हैं। फ्यूचर, आप्शन, स्वाप्स, वारन्ट, कनवरटेबल प्रमुख वित्तीय डेरिवेटिव्स हैं।

**76.(1)** मोडेम का पूर्ण विवरण है– माड्यूलेशन डी और मोड्यूलेशन।

**77.(2)** किसी डाटा को उपयोगी प्रारूप में परिवर्तित करने की प्रक्रिया डेटा प्रोसेसिंग कहलाती है। डेटा प्रोसेसिंग से प्राप्त डेटा से अर्थपूर्ण सूचनाएँ प्रेषित करने या तैयार करने में सहायता मिलती है। डेटा को सूचना मे परिवर्तित करने की प्रक्रिया क्रमबद्ध करना कहलाती है।

**78.(2)** नियंत्रण का आशय यह देखना है कि सभी कार्य अपनायी योजनाओं, दिए निर्देशों और निर्धारित नियमों के अनुसार हो रहे है या नहीं। नियोजन व नियत्रंण आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए है। उद्देश्यों और योजनाओं के बिना नियंत्रण का कार्य संभव नहीं क्योंकि निष्पादन की तुलना कुछ पूर्व निधारित। स्थापित मापदण्डों से ही की जा सकती है। अतः नियोजन आगे की और देखता है और नियंत्रण पीछे कीर ओर।

**79.(2)** चयन की सभी प्रकार की औपचारिकताएँ पूरी हो जाने के बाद उम्मीदवारों के कार्य सेवा पर पदस्थापन किया जाता है। उन्हे पदस्थान के समय समूचें संगठन, सम्बंधित कार्य सेवा और कार्यस्त व्यक्तियों से परिचित करवाया जाता है। उन्हें प्रारम्भ के 3 माह से लेकर 2 वर्ष तक की परिवीक्षा अवधि पर रखा जा सकता है। इस अवधि के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद वे संगठन के स्थायी सेविवर्गी बन जाते है।

**80.(3)** किसी उपक्रम द्वारा अपेक्षित मानव संसाधनों को आकृष्ट करपे प्राप्त करने एवं बनाए रखने तथा विकसित करने का प्रबधंकीय कार्य नियुक्तीकरण कहलाता है। इसका उद्देश्य संगठनात्मक

पक्षों पर योग्य व इच्छुक व्यक्तियों को लगाना होता है।

**81.(3)** उच्च अधिकारियों द्वारा नियोजित व्यवहार ही औपचारिक संगठन कहलाता है। इसके अन्तर्गत व्यक्तियों के कर्तव्यों, अधिकारों तथा उत्तरदायित्वों कों पूर्व परिभाषित किया जाता है और यह उच्चस्तरीय अधिकारियों की अनुशंसा पर बल देती है। इसमें अधिकारी व अधीनस्थ की भावना क्रियाशील रहती है।

**82.(2)** ऋणात्मक अभिप्रेरता अन्य व्यक्तियों को अपनी इच्छानुसार कार्य करने हेतु अभिप्रेरित करती है किन्तु इस तकनीक का आधार भयपूर्ण दबाव होता है। ऐसे अभिप्रेरण के समर्थकों की यह मान्यता है कि व्यक्तियों को कभी–कभी भय, डर, दबाव या दण्ड के आधार पर भी अभिप्रेरित किया जा सकता है। उदा. डाट–फटकार, नौकरी से अलग करना, सेवानिवृत्त करना, पदोन्नति रोकना आदि।

**83.(3)** 'y' सिद्धान्त अभिप्रेरण की आधुनिक विचारधारा है जिसका प्रतिपादन मैकग्रेगर ने किया जो इस अवधारणा पर आधारित है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वभाव से ही निष्क्रिय और अविश्वसनीय नहीं होता । यदि उसे विधिवत् अभिप्रेरित किया जाए तो वह स्वयं कार्य के प्रति निष्ठावान होकर अधिक व श्रेष्ठतर उत्पादन कर सकता है।

**84.(2)** पथ–लक्ष्य विचारधारा का प्रतिपादन जोरगोपोलस, माहोनी व जोन्स ने किया जिनकी मान्यता यह है कि कर्मचारी उच्च उत्पादकता को अपने एक या अधिक वैयक्तिक लक्ष्यों की पूर्ति का पथ मान लेते है तो वे उच्च उत्पादक बनने की ओर प्रवृत होते है। इसके अनुसार उत्पादकता में वृद्धि केवल कठोर परिश्रम द्वारा ही संभव है।

**85.(1)** उपभोक्ता व्यवहार एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति विभिन्न सामाजिक–मनोवैज्ञानिक घटकों के आधार पर यह सुनिश्चित करता है कि क्या, कब, कहाँ, कैसे, और किससे वस्तुएँ/सेवाऐ खरीदी जाए। उपभोक्ता व्यवहार को प्रभावित करने वाले क्रेता सम्बंधी घटक है– सामाजिक, सांस्कृतिक, व्यक्तिगत और मनोवैज्ञानिक।

**86.(2)** विपणन विचार जन्म सर्वप्रथम अमेरिका की अर्थव्यवस्था में हुआ। उस समय (1900 – 1930) की अर्थव्यवस्था में उत्पादन की बहुत अधिक कमी थी। इसलिए अमेरिकन व्यवसायियों ने सबसे अधिक बल उत्पादन वृद्धि पर दिया। परन्तु 1950 के बाद उन्हें कड़ी प्रतियोगता का

VPM CLASSES

सामना करना पड़ा परिणामस्वरूप विपणन विचार ने आधुनिक रूप धारण किया जो ग्राहक अभिमुखी थी।

**87.(2)** उपभोक्ता व्यवहार की सर्वाधिक लोकप्रिय और व्यावहारिक तकनीक साक्षात्कार है। इसमें क्रेता को योग्य एवं कुशल व्यक्ति द्वारा सहज वातावरण बनाकर बातचीत के जरिए क्रय के बारे में जानकारियाँ देने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। बातचीत के मुख्य अंशो को लिख लिया जाता है और अन्त मे प्रभावी निष्कर्ष निकाले जाते है।

**88.(4)** ग्राहकों कों अधिक क्रय के लिए प्रोत्साहित करने हेतु जब उनके द्वारा किए गए माल के सूची मूल्य पर छूट प्रदान की जाती है। तो यह परिमाण बट्टा नीति कहलाती है। यह संचयी अथवा अंसचयी हो सकता है।

**89.(1)** दोनों मशीानों का क्रय मूल्य = 3000 रू.

प्रथम मशीन के लिए वार्षिक पुनर्भुगतान = 10000 रू.

3 वर्ष की कुल पुनर्भुगतान = 10000 × 3 = 30000 रू.

द्वितीय मशीन के लिए वार्षिक पुनर्भुगतान = 8000 रू.

5 वर्षों में कुल पुनर्भुगतान = 8000 × 5 = 40000 रू.

$$\text{पुनर्भुगतान अवधि} = \frac{30000}{8000} = 3 \text{ वर्ष } 9 \text{ माह}$$

अतः प्रथम मशीन के लिए पुनर्भुगतान अवधि कम होने के कारण प्रथम मशीन चुनी जाएगी।

**90.(1)** विनियोग प्रस्ताव उस स्थिति में स्वीकार्य होगा जबकि सम्भावित प्रत्याय दर पूंजी लागत से अधिक हो। अतः किसी भी प्रस्ताव से इतनी आय अवश्य प्राप्त होनी चाहिए कि न्यूनतम प्रत्याय प्राप्त हो सकें।

**91.(4)** $$\text{देनदार संग्रहण अवधि} = \frac{\frac{1}{2}\left(\text{प्रारंभिक देनदार} + \text{अन्तिम देनदार}\right)}{\text{वार्षिक उधार विक्रय}}$$

$$= \frac{\frac{1}{2}\left(380 + 450\right)}{2000 / 360}$$

= 75 दिन (लागत)

**92.(4)** कार्य पर प्रशिक्षण ऐसी विधि है जिसके अन्तर्गत कर्मचारियों को कृत्रिम कक्षाओं के बजाय उन्हीं अवस्थाओं में रखा जाता है जिसमें वह प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद भी रहेगा। यह विधि इसीलिए अधिक उपयोगी है क्योंकि इसमें सैद्धान्तिक ज्ञान को व्यवहार मे लागू करने का अवसर मिलता है।

**93.(3)** यह अवधि 12 हफ्तों की है। इस अवधि के लिए सेवा योजक उस महिला श्रमिक को औसत दैनिक मजदूरी की दर से लाभ का भुगतान करने के लिए उत्तर दायी होगा। औसत दैनिक मजदूरी से आशय सम्बन्धित महिला श्रमिक की ऐसे तीन कलेण्डर माह की मजदूरी के दैनिक औसत से है जो उसके मातृत्व के कारण अनुपस्थित रहने तारिख के पहले आते हों।

**94.(4)** प्रत्येक देश के केन्द्रीय बैंक का कार्य देश की आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप पत्र–मुद्रा का निर्गमन, साख तथा बैंकिग व्यवस्था का नियत्रंण व नियमन मौद्रिक नीति का संचालन करना है। साथ ही यह सरकार का वित्तीय प्रतिनिधि, परामर्शदाता व बैंकर होता है। यह व्यापारिक बैंको की रकमें जमा करता है। और उन्हे ऋण भी देता है।

**95.(1)** भरतीय स्टेट बैंक की स्थापना अखिल भारतीय ग्रामीण साख सर्वेक्षण समिति की सिफारिशों के अनुसार 1 जुलाई 1955 को इम्पीरियल बैंक आफ इण्डिया के राष्ट्रीयकरण करके की गई थी। स्टेट बैंक समूह में कुल 7 (वर्तमान में 6) बैंक शामिल है – (1) SBBJ, (2) स्टेट बैंक आफ हैदराबाद, (3) स्टेट बैंक आफ इन्दौर, (4) स्टेट बैंक आफ मैसूर, (5) स्टेट बैंक आफ पटियाला, (6) स्टेट बैंक आफ सौराष्ट, (7) स्टेट बैंक आफ ट्रावनकोर/वर्तमान में स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र का विलय स्टेट बैंक इण्डिया में हो गया है।

**96.(4)** देश के निर्यातकों एवं आयातकों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय निर्यात–आयात बैंक की स्थापना 1 जनवरी 1982 को भारतीय निर्यात–आयात बैंको अधिनियम, 1981 के अधीन की गई। यह बैंक भारत के साथ–साथ तीसरी दुनिया के देशों को भी निर्यात व आयात वित्त सुविधाएँ उपलब्ध कराता है।

**97.(1)** हैबरलर के अनुसार दो वस्तुओं के बीच विनिमय अनुपात प्रतिस्थापना वक्र/उत्पादन सभावना वक्र द्वारा व्यक्त किया जा सकता है। यह परिवर्ती साधन अनुपातों पर लागू होता है।

VPMCLASSES

**98.(2)** विकल्प 'B' दिए गए कथनों कों सुमेलित करता है।

**99.(1)** विकल्प 'B' दिए गए कथनों कों सुमेलित करता है।

**100.(1)** बहुपक्षीय विनियोग गारण्टी अभिकरण (MIGA) विश्व बैंक समूह से सम्बंधित है जिसकी स्थापना 1988 में की गई थी।

VPM CLASSES